बाल संरक्षण सप्ताह का समापन

जेंडर आधारित भेदभाव समाज को कमजोर बनाता है: एसपी चंदेल

शिवपुरी@ पत्रिका. प्रकृति और संविधान स्त्री-पुरुष के बीच कोई भेदभाव नहीं करता, सामाजिक व्यवस्थाएं स्त्री-पुरुष के बीच खाई पैदा करती है। जेंडर आधारित यह व्यवस्था समाज को कमजोर बनाती है। सामाजिक तरक्की के लिए समता मूलक समाज का निर्माण जरूरी है। यह बात पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल ने सोमवार को बाल संरक्षण सप्ताह के समापन अवसर पर पीजी कालेज में आयोजित कार्यक्रम में कही। इस दौरान कॉलेज स्टूडेंट्स के साथ क्या मर्दानगी जेंडर आधारित हिंसा का कारण है विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिस पर स्टूडेंट्स ने अपने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी राघवेंद्र शर्मा ने कहा कि महिलाओं की अस्मिता को रौंदना मर्दानगी नहीं होता, महिलाओं को महफूज रखने, उनकी हिफाजत करने का जज्बा होना मर्दानगी होता है। मर्दानगी शब्द पुरुषत्व नहीं बल्कि पुरुषार्थ का प्रतीक है। स्त्री अस्मिता को रौंदने वाली जिस सोच को लोग मर्दानगी कहते हैं, वो मर्दानगी नहीं बल्कि मुर्दानगी होती है।

पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र देते अतिथिगण

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रतिभागियों को मिले प्रशस्ति पत्र

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल अधिकार संरक्षण का तथा संस्कृति नृत्य के माध्यम से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। सप्ताह भर आयोजित गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान पीजी कॉलेज के प्राचार्य महेंद्र कुमार, प्रोफेसर डॉ. यूसी गुप्ता, डॉ. पवन श्रीवास्तव, अरविंद शर्मा, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अमित भार्गव, सांसद प्रतिनिधि मयंक दीक्षित, कल्पना रायजादा, सौरभ भार्गव, अरुण कुमार सेन एवं अन्य टीम सदस्य मौजूद रहे।